RAJYA SABHA

Friday, the 28th November, 1980|the 7th Agrahayana, 1902 (Saka)

The House met at eleven of the clock, Mr. Chairman in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Supply of water at the Madhubani Railway Station

*161. SHRI SHIVA CHANDRA JHA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is no proper arrangement for the supply of drinking water at the Madhubani Railway Station (NER); and

(b) if so, the steps taken by Government for the adequate supply of water at the station?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Proper arrangements exist for supply of drinking water at Madhubani.

(b) Does not arise.

(Shri Shiv Chandra Jha spoke in Maithali)

श्री सभापति : आप सप्लीमेंटरी सवाल कीजिए ।

श्री शिव चन्द्र झा : वही तो कर रहा हूं ।

श्री सभापति : यह सवाल है, सवाल और बयान में कोई फर्क भी होता है ।

श्री शिव चन्द्र झा : हां, यह बयान नहीं है, सभापति महोदय, आप जरा धीरे से सुनिये ।

श्री सभापति : सवाल कीजिए । देखिए हर रोज 40 मेम्बरान के नाम यहां रहते हैं । अब मैं आप सब पर दबाव अपना नहीं डालूंगा बल्कि उनका डालूंगा जिनके सवालात पहुंचते नहीं हैं ।

श्री शिव चन्द्र झा : आप सुनिये तो मैं सवाल कर रहा हूं ।

श्री सभापति : सवाल कीजिए दूसरा ।

श्री रामानन्द यादव : आप किस भाषा में बोल रहे हैं, हम लोगों को समझ में नहीं आ रहा है ।

श्री शिव चन्द्र झा : यह भाषा ऐसी है जो मंत्री महोदय समझते हैं । हमारा पहला सवाल है कि राजनगर स्टेशन पर

(Spoke in Maithali)

(Interruptions)

अगर वे कह दें कि नहीं समझते हैं तो नहीं पूछूंगा उनको जिसमें मर्जी हो जवाब दें ।

श्री सैयद सिब्ते रजी : हाऊस के दूसरे मेम्बर भी तो समझें ।

श्री शिव चन्द्र झा : सभापति महोदय मंत्री महोदय समझते हैं ।

श्री रामानन्द यादव : हम लोग नहीं समझते हैं ।

(Shri Shiv Chandra Jha spoke in Maithali)

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए और आप हिन्दी में कहिए । आपने नोटिस नहीं दिया है कि आप मैथिली बोलेंगे, और यहां पर सब नहीं समझते हैं ।

श्री शिव चन्द्र झा : सभापति महोदय मंत्री महोदय समझते हैं और आप भी समझ जायेंगे ।

श्री सभापति : आप हिन्दी बोल सकते हैं, हिन्दी बोलिए नहीं तो मैं आपसे जर्मन में, इटालियन में या फ्रेंच में बातचीत करूंगा,

(Interruptions)

अगर वे समझ जायेंगे तो इंग्लिश में बोलेंगे ।

श्री रामानन्द यादव : श्रीमन् .....
(Interruptions)

श्री सभापति : यादव जी, आप बैठिये ।

श्री शिव चन्द्र झा : मैं यह कह रहा हूं कि मैथिली को साहित्य अकादमी ने मान्यता दे दी है । तीन करोड़ से ज्यादा लोग मैथिली बोलते हैं । साहित्य अकादमी उसी भाषा को मान्यता देती है जिसका संविधान में स्थान हो जाता है । इसलिए यह उपयुक्त है कि मैं मैथिली में बोलूं । यह थोड़ी देर के लिए आप कह सकते हैं कि यह संविधान में नहीं है लेकिन आपकी डिस्क्रिशनरी पावर है आप चाहें तो मैं पूछूं वे समझ रहे हैं इसलिए मैं मजे में बोल सकता हूं । इसलिए मैं सवाल कर रहा हूं । आप भी सुन सकते हैं । थोड़ा ध्यान दीजिएगा और मैं समझता हूं थोड़ा ध्यान देकर सुनेंगे, कामनसेन्स इस्तेमाल करेंगे तो ...
(Interruptions)

श्री सैयद सिब्ते रजी : चेयरमैन साहब, हाऊस के पास समय बहुत कम है और क्वेश्चन में उन्होंने इतना समय ले लिया फिर भी ...
(Interruptions)

श्री सभापति : आप अपना सवाल नहीं करेंगे और यहीं करते रहेंगे तो मैं इजाजत नहीं दूगां ।

श्री शिव चन्द्र झा : आप की जो मर्जी करें ।
You are the monarch of all you survey, all around the House.

श्री सभापति : 4 मिनट से ज्यादा हो चुके ...

श्री शिव चन्द्र झा : आप कहें यह सवाल नहीं चलेगा बात दूसरी हो जाएगी । यह सवाल आएगा ही नहीं । सारा क्वेश्चन आवर खत्म कर दीजिए । क्वेश्चन आवर होगा नहीं । यह आपकी मर्जी है तो कर लें लेकिन मैं सवाल कर रहा हूं, मंत्री महोदय समझ लें या समझ रहे हैं तो आपको क्या एतराज है । 3 करोड़ की जनता मैथिली बोलती है । क्या आप चाहते हैं मैथिली भाषी भी वही करें जैसा आसाम के लोग करने पर उतर गए ।

MR. CHAIRMAN: The Question Hour is not intended for having debates like this, nor is it intended for long speeches. I regret.

मुझे अफसोस है शिव चन्द्र झा साहब कि मुझे आपका क्वेश्चन खारिज करना पड़ता है। इसका जवाब नही दिया जाएगा

श्री शिव चन्द्र झा : तो आप इजाजत नहीं देंगे, आपकी मर्जी है ।

श्री सभापति : क्वेश्चन नंबर 162 ।

श्री शिव चन्द्र झा : मैं वाक–आऊट करता हूं ।

श्री सभापति : आप वाक–आऊट करिए कुछ करिए ।

(At this stage the hon. Member left the Chamber).

Recruitment from Indian Sub-Continent by Saudi Arabia

*162. SHRI HARISHANKAR BHABHRA:
SHRI JASWANT SINGH:†

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the recruitment of a considerable number of persons from the Indian

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Jaswant Singh.